RBSE Class 10 Sanskrit Model Paper 2025: दीर्घोत्तरात्मक प्रश्न (**24** प्रश्न)

विषय: संस्कृत (प्रथम पत्र **&** द्वितीय पत्र)

खण्ड: 'स' (दीर्घोत्तरात्मक प्रश्न **- 3** अंक) (प्रश्न **14-17**)

1. 'हे राम **!**' इत्यादिपदानां विभक्तिं वचनं च लिखत।

उत्तर:

- हे राम**!** - सम्बोधन प्रथमा, एकवचन
- द्वितीयमै - चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
- पश्युः - तृतीया विभक्ति, बहुवचन
- बालकायै - चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

हिन्दी अनुवाद:

- 'हे राम!' सम्बोधन में प्रथमा विभक्ति, एकवचन है।
- 'द्वितीयमै' चतुर्थी विभक्ति, एकवचन है।

---

2. 'सर्वदेवाः' इत्यस्य पदस्य सन्धिं विच्छेदं च कुरुत।

उत्तर:

- सन्धिः - सर्व + देवाः = सर्वदेवाः (व्यंजन सन्धि)
- विच्छेदः - सर्व + देवाः

हिन्दी अनुवाद:
'सर्वदेवाः' का सन्धि-विच्छेद 'सर्व + देवाः' है।

---

3. 'खरौ**,** सत्यम्**,** आत्मभिः**,** चत्वारः' इत्येषां पदानां विभक्तिं वचनं च लिखत।

उत्तर:

- खरौ - प्रथमा विभक्ति, द्विवचन
- सत्यम् - प्रथमा/द्वितीया विभक्ति, एकवचन
- आत्मभिः - तृतीया विभक्ति, बहुवचन
- चत्वारः - प्रथमा विभक्ति, पुंल्लिङ्ग, बहुवचन

हिन्दी अनुवाद:

- 'खरौ' प्रथमा विभक्ति, द्विवचन में है।
- 'सत्यम्' प्रथमा/द्वितीया विभक्ति, एकवचन में है।

---

4. 'यः सौ, अपो ऽभि, नद्यौ, द्विशोऽदके द्विन्' इत्येषां सूत्राणां उदाहरणानि लिखत।

उत्तर:

1. यः सौ - "यः सः" (सर्वनाम सन्धि)
2. अपो ऽभि - "अपः + अभि = अपो ऽभि" (विसर्ग सन्धि)
3. नद्यौ - "नदी + औ = नद्यौ" (सवर्ण दीर्घ सन्धि)
4. द्विशोऽदके द्विन् - "द्विः + अदके = द्विशोऽदके" (विसर्ग सन्धि)

हिन्दी अनुवाद:

- 'यः सौ' का उदाहरण "यः सः" है।
- 'अपो ऽभि' का उदाहरण "अपः + अभि" है।

---

5. 'धातारौ, गाः, रमयोः, मतीः' इत्येषां पदानां विभक्तिं वचनं च लिखत।

उत्तर:

- धातारौ - प्रथमा विभक्ति, द्विवचन
- गाः - द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
- रमयोः - षष्ठी विभक्ति, द्विवचन
- मतीः - द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

हिन्दी अनुवाद:

- 'धातारौ' प्रथमा विभक्ति, द्विवचन में है।
- 'गाः' द्वितीया विभक्ति, बहुवचन में है।

---

6. 'दीर्घादाङ् स च, इमाम्, विद्याम्, आतो धातोः' इत्येषां सूत्राणां उदाहरणानि लिखत।

उत्तर:

1. दीर्घादाङ् स च - "दीर्घ + आत् = दीर्घात्" (दीर्घ सन्धि)
2. इमाम् - "इदम् + आम् = इमाम्" (सर्वनाम रूप)
3. विद्याम् - "विद्या + आम् = विद्याम्" (स्त्रीलिङ्ग रूप)
4. आतो धातोः - "भू + ति = भवति" (धातु रूप)

हिन्दी अनुवाद:

- 'दीर्घादाङ् स च' का उदाहरण "दीर्घात्" है।
- 'इमाम्' का उदाहरण "इदम् + आम्" है।

---

7. 'शुक्-शुग्, चत्वारः, एनयोः, युवाम्' इत्येषां पदानां विभक्तिं वचनं च लिखत।

उत्तर:

- शुक्-शुग् - धातु रूप (शुक् + अ = शुग्)
- चत्वारः - प्रथमा विभक्ति, पुंल्लिङ्ग, बहुवचन
- एनयोः - षष्ठी/सप्तमी विभक्ति, द्विवचन
- युवाम् - प्रथमा विभक्ति, द्विवचन

हिन्दी अनुवाद:

- 'चत्वारः' प्रथमा विभक्ति, पुंल्लिङ्ग, बहुवचन में है।
- 'युवाम्' प्रथमा विभक्ति, द्विवचन में है।

---

8. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' इत्यस्य श्लोकस्य भावार्थं लिखत।

उत्तर: भावार्थः - "कर्म करने में ही तुम्हारा अधिकार है, फलों में कभी नहीं।"
हिन्दी अनुवाद: इस श्लोक का अर्थ है कि हमें केवल कर्म करने का अधिकार है, फल की चिंता नहीं करनी चाहिए।

---

9. 'न स्तो धर्माचरणं किंचिदस्ति महत्तरम्' इत्यस्य श्लोकस्य सन्देशं लिखत।

उत्तर: सन्देशः - "धर्म का पालन करने से बढ़कर कोई महान कार्य नहीं है।"
हिन्दी अनुवाद: इस श्लोक का सन्देश है कि धर्म का पालन सबसे महत्वपूर्ण है।

---

10. 'नाहमर्थपरो देव! लोकमावर्तयाम्यहम्' इत्यस्य श्लोकस्य भावार्थं लिखत।

उत्तर: भावार्थः - "हे देव! मैं धन के लिए संसार को नहीं घुमाता।"
हिन्दी अनुवाद: इस श्लोक का अर्थ है कि ईश्वर की प्राप्ति धन से नहीं, बल्कि निस्वार्थ भाव से होती है।

---

11. 'स्थाने भवानेकनराधिपः सन्' इत्यस्य श्लोकस्य व्याख्या कुरुत।

उत्तर: व्याख्या - "आप एक महान राजा हैं, फिर भी दान देने के लिए स्वयं आगे आते हैं।"
हिन्दी अनुवाद: इस श्लोक में राजा की उदारता की प्रशंसा की गई है।

---

12. 'विद्यार्थी जीवनस्य महत्त्वं' विषये संस्कृतभाषायां अनुच्छेदं लिखत।

उत्तर: अनुच्छेदः - "विद्यार्थी जीवनं मानवजीवनस्य आधारः अस्ति। विद्या एव मनुष्यं सर्वोत्कृष्टं करोति। विद्यार्थिनः कर्तव्यं यत् ते नियमितरूपेण अध्ययनं कुर्युः। गुरूणां सेवा, मातापित्रोः आज्ञापालनं च विद्यार्थिनः प्रमुखाः गुणाः सन्ति।"
हिन्दी अनुवाद: विद्यार्थी जीवन मानव जीवन का आधार है। विद्या ही मनुष्य को श्रेष्ठ बनाती है। विद्यार्थियों का कर्तव्य है कि वे नियमित अध्ययन करें। गुरु सेवा और माता-पिता की आज्ञा का पालन विद्यार्थी के प्रमुख गुण हैं।

---

13. 'पर्यावरणसंरक्षणम्' विषये संस्कृतभाषायां अनुच्छेदं लिखत।

उत्तर: अनुच्छेदः - "पर्यावरणसंरक्षणं जीवनस्य आवश्यकता अस्ति। वृक्षाः प्रकृतिस्य प्राणाः सन्ति। वयं वृक्षान् रोपयाम, जलं संरक्षयाम, प्रदूषणं निवारयाम च। एतैः उपायैः धरित्री सुरक्षिता भविष्यति।"
हिन्दी अनुवाद: पर्यावरण संरक्षण जीवन की आवश्यकता है। वृक्ष प्रकृति के प्राण हैं। हमें वृक्ष लगाने, जल बचाने और प्रदूषण रोकने का प्रयास करना चाहिए। इससे धरती सुरक्षित रहेगी।

---

14. 'रामायणस्य महत्त्वम्' विषये संस्कृतभाषायां अनुच्छेदं लिखत।

उत्तर: अनुच्छेदः - "रामायणं भारतीयसंस्कृतेः प्रमुखं ग्रन्थः अस्ति। अस्य रचयिता महर्षिः वाल्मीकिः अस्ति। रामायणे धर्मस्य, कर्तव्यस्य, मर्यादायाः च शिक्षा दीयते। रामः आदर्शपुरुषः, सीता आदर्शनारी, लक्ष्मणः आदर्शभ्राता च अस्ति।"
हिन्दी अनुवाद: रामायण भारतीय संस्कृति का प्रमुख ग्रन्थ है। इसके रचयिता महर्षि वाल्मीकि हैं। रामायण में धर्म, कर्तव्य और मर्यादा की शिक्षा दी गई है। राम आदर्श पुरुष, सीता आदर्श नारी और लक्ष्मण आदर्श भाई हैं।

YOUTUBE RAJGURU CLASSES